12

प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर विकेंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली में ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, अध्यापकों तथा शिक्षा अधिकारियों में सामंजस्य की स्थिति का अध्ययन

*अजय प्रकाश तिवारी**

शिक्षा मानव विकास की आधारशिला है। यह निर्विवाद है कि शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। आज हमने इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करते हुए विकास की कई ऊँचाइयों को पार किया है। इस विकास का मूल आधार शिक्षा ही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म से ही अनौपचारिक रूप से परिवार व समाज से शिक्षा ग्रहण करने लगता है। औपचारिक शिक्षा की शुरुआत वह प्राथमिक स्कूलों से करता है। प्राथमिक शिक्षा औपचारिक शिक्षा रूपी इमारत की बुनियाद है। इसीलिए बहुत से देशों में प्राथमिक शिक्षा के लिए संविधान में कानूनी उपबंध किए गए हैं। भारत के संविधान निर्माताओं ने भी प्राथमिक शिक्षा को आवश्यक मानते हुए संविधान में राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्वों में व मौलिक अधिकार के रूप में शिक्षा का उल्लेख किया है।

प्राथमिक शिक्षा का विकास करने के लिए प्रारंभ की गई योजनाएँ —

1. विकेंद्रीकरण
2. मध्याह्न पोषाहार योजना
3. आनंददायी अधिगम
4. बिहार शिक्षा योजना
5. उत्तर प्रदेश बुनियादी शिक्षा परियोजना
6. शिक्षा कर्मी
7. लोक जुम्बिश
8. आंध्र प्रदेश प्राथमिक शिक्षा योजना
9. कस्तूरबा गाँधी शिक्षा योजना
10. सर्व शिक्षा अभियान
11. मौलिक अधिकार के रूप में शिक्षा

प्रबंध का अर्थ एवं परिभाषा

संगठन मनुष्य का समूह है, जिसका कुछ उद्देश्य होता है। उन उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे अनेक संगठन होते हैं, जैसे— आर्थिक संगठन, प्रशासनिक और राजनैतिक संगठन, शैक्षिक संगठन आदि। इन संगठनों को निर्देशित, समन्वित और एकीकृत करने के लिए मैनेजमेंट की आवश्यकता होती है।

**रीडर*, शिक्षाशास्त्र विभाग, नेहरू ग्राम भारतीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश 221505

'प्रबंध' एक बहुआयामी शब्द है जिसे आधुनिक औद्योगिक जगत में कई अर्थों में प्रयोग किया जाता है। कुछ व्यक्ति इसका संकीर्ण अर्थ लगाते हैं, तो कुछ व्यक्ति विस्तृत अर्थ। संकीर्ण अर्थ की परिभाषा मेरी पार्कर कोलेट ने इस प्रकार दी है, ''प्रबंध दूसरे व्यक्तियों से कार्य कराने की कला है।'' इस अर्थ के अनुसार वह व्यक्ति जो दूसरे व्यक्तियों से कार्य करा सकता है, 'प्रबंधक' कहलाता है। विस्तृत अर्थ में, ''प्रबंध एक कला एवं विज्ञान है जो निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न मानवीय प्रयासों से संबंध रखता है।'' इस अर्थ में प्रबंध में प्रमुखतया नियोजन, संगठन, समन्वय, निर्देशन अभिप्रेरण और नियंत्रण आदि कार्य सम्मिलित होते हैं। एक विद्वान ने प्रबंध का अर्थ स्पष्ट करने के लिए अंग्रेज़ी शब्द *'Management'* की व्याख्या *"Manage-Men-Tactfully"* के रूप में की है। इस प्रकार प्रबंध का तात्पर्य व्यक्तियों से कार्य लेना है।

विकेंद्रीकृत प्रबंधन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सर्वप्रथम 1882 में हण्टर कमीशन का सुझाव था कि प्राथमिक शिक्षा का भार स्थानीय संस्थाओं को सौंपा जाए। किंतु 1919 में हर्टोग समिति तथा 1944 में सार्जेन्ट योजना के अनुसार इसे रद्द कर दिया गया। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 'पंचायत राज एक्ट' पास करके ग्राम पंचायतों पर प्राथमिक शिक्षा का दायित्व सौंप दिया गया। 'खरे समिति–1951' ने प्राथमिक शिक्षा का दायित्व स्थानीय संस्थाओं को सौंप दिया तदुपरांत 'बी.आर. मेहता समिति–1957' में स्थानीय संस्थाओं को और भी महत्व दिया तथा उसके सुझावानुसार प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था तीन भागों में बाँट दी गई —

1. ग्राम पंचायत— विकास क्षेत्र स्तर पर
2. क्षेत्र समिति— विकास क्षेत्र स्तर पर
3. ज़िला समिति— जनपद क्षेत्र स्तर पर

1961 में मेहता समिति के सुझावानुसार उपरोक्त व्यवस्था को क्रियान्वित करने हेतु ज़िला परिषद् एक्ट पास किया। कोठारी आयोग (1964) द्वारा यह स्वीकारा गया कि शिक्षा व्यवस्था का विकेंद्रीकरण हो और ज़िला स्तर पर शैक्षिक प्रशासन अपने ज़िले में प्राथमिक शिक्षा के लिए शिक्षक तथा स्थानीय लोगों को उत्तरदायी मानें।

नयी शिक्षा नीति (1986) का खंड 10, शिक्षा का प्रबंध विकेंद्रीकरण तथा शैक्षिक संस्थाओं के लिए स्वायत्तता का भाव पैदा करने आदि पर ध्यान देने से संबंधित है।

सन् 1990 में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समीक्षा के लिए गठित 'आचार्य राममूर्ति समिति' के अनुसार विकेंद्रीकरण शिक्षा की विभिन्न समस्याओं का एकमात्र समाधान है। शिक्षा की योजना तथा प्रबंध के क्षेत्र में हर स्तर पर, यथा— केंद्र से राज्य स्तर पर, राज्य से ज़िला स्तर पर, ज़िला से खंड स्तर पर तथा खंडों से पंचायत, गाँव व बस्ती स्तर पर विकेंद्रीकरण करने की आवश्यकता है।

अंततः बलवंत राय मेहता समिति की संस्तुति 24 अप्रैल 1993 को लागू हुई, जिसमें शिक्षा की विकेंद्रीकृत त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का गठन हुआ।

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 80 5/26/2017 9:27:06 AM

ग्राम शिक्षा समिति का गठन एवं स्वरूप

संविधान के 73वें संशोधन के फलस्वरूप पंचायती राज संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाए जाने के उद्देश्य से *बेसिक शिक्षा अधिनियम–1972* में व्यापक संशोधन किए गए हैं। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा (संशोधन) अध्यादेश–2000 के अंतर्गत गठित शिक्षा समिति का स्वरूप निम्नवत है— 1. प्रधान अध्यक्ष, 2. प्रधानाध्यापक (सदस्य सचिव), 3. तीन अभिभावक (छात्रों के तीन अभिभावक, जिसमें एक महिला होगी)।

(स.बे.शि.अधि. द्वारा नामित)

यदि ग्राम पंचायत में एक से अधिक स्कूल हैं तो उनके प्रधानाध्यापकों में से ज्येष्ठतम सदस्य सचिव होगा।

विद्यालय श्रेणीकरण

विद्यालय श्रेणीकरण के अंतर्गत चार श्रेणी के विद्यालय आते है। ग्रेड A, ग्रेड B, ग्रेड C, ग्रेड D, को निर्धारित करने के लिए विद्यालय का अवलोकन किया जाता है। अवलोकन में 38 चेक बिंदुओं पर अंक प्रदान किए जाते हैं, जो अधिकतम 100 होते हैं। यह श्रेणीकरण प्रपत्र तीन भागों में बँटा होता है।

भाग एक में आठ चेक बिंदु होते हैं, जिनका पूर्णांक 30 होता है तथा भाग एक के B में आठ चेक बिंदु होते हैं। जिनका पूर्णांक भी 30 होता है। यह प्रधानाध्यापक/प्रभारी अध्यापक के लिए हैं।

भाग दो में शिक्षक एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री से संबंधित 15 चेक बिंदु होते है। जिनका पूर्णांक 30 होता है।

भाग तीन में छात्रों के सतत एवं व्यापक मूल्यांकन/अनुश्रवण संबंधी सात चेक बिंदु होते हैं, जिनका पूर्णांक 10 होता है। इस तरह तीनों भागों का कुल पूर्णांक 100 (30+30+30+10) होता है। प्राथमिक विद्यालय जितने अंक प्राप्त करता है, उसी से उसका श्रेणीकरण होता है।

श्रेणीकरण

अंक	श्रेणी	अंक	श्रेणी
81 – 00	अ ¼A½	31– 50	स ¼C½
51 – 80	ब ¼B½	0 – 30	द ¼D½

अध्ययन के उद्देश्य

1. विकेंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली में ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तथा शिक्षा अधिकारियों में सामंजस्य की स्थिति का अध्ययन करना।
2. विकेंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली में अध्यापकों तथा शिक्षा अधिकारियों में सामंजस्य की स्थिति का अध्ययन करना।
3. विकेंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली में ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तथा अध्यापकों में सामंजस्य की स्थिति का अध्ययन करना।

परिकल्पना

श्रेणी A तथा श्रेणी D के विद्यालयों की ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, अध्यापकों, तथा शिक्षा

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 81 5/26/2017 9:27:06 AM

अधिकारियों के बीच सामंजस्य की स्थिति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उपकरणों का निर्माण एवं विवरण

शोधकर्ता ने सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है। प्रदत्तों के संकल्प हेतु साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है। (शिक्षा अधिकारी, अध्यापक तथा ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों हेतु)। उपकरण का निर्माण स्वयं शोधकर्ता ने किया है। परिकल्पना का परीक्षण प्रतिशत विश्लेषण के द्वारा किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन को उत्तर प्रदेश के ज़िलों तक सीमित रखा गया है। शोध अध्ययन में परिषदीय प्राथमिक विद्यालय ही सम्मिलित किए गए हैं।

न्यादर्श निम्नवत है—

सारणी संख्या 1

राज्य	उत्तर प्रदेश					कुल
ज़िला	*सोनभद्र*	*देवरिया*	*गाज़ीपुर*	*फ़तेहपुर*	*मेरठ*	05
ब्लॉक	2	2	2	2	2	10
श्रेणी A के विद्यालय	6	6	6	6	6	30
श्रेणी D के विद्यालय	6	6	6	6	6	30

विश्लेषण एवं व्याख्या

उपरोक्त परिकल्पना को ध्यान में रखकर शोधकर्ता ने न्यादर्श में चयनित श्रेणी A के 30 प्राथमिक विद्यालयों के 50 अध्यापक तथा 150 ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तथा श्रेणी D के 30 प्राथमिक विद्यालयों के 50 अध्यापक तथा 150 ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तथा इन सभी (60 प्राथमिक विद्यालयों) से संबंधित 20 शिक्षा अधिकारियों के साक्षात्कार और उनके विचार, दो बिंदुओं पर लिए गए। परिकल्पना की जाँच हेतु प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग किया गया।

साक्षात्कार (अध्यापकों हेतु)

प्र. आपके विद्यालय में आने वाली शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में क्या वी. ई. सी. सदस्य आपकी मदद करते हैं ?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 65 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में वी. ई. सी. सदस्य उनकी मदद करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालय के 80 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य उनकी कोई मदद नहीं करते।

प्र. क्या आपके विद्यालय में आने वाली शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में शिक्षा अधिकारी आपकी मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 67 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में उनकी मदद करते हैं और श्रेणी D विद्यालयों के 70 प्रतिशत अध्यापक भी यही कहते हैं कि शिक्षा अधिकारी शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में मदद करते हैं।

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 82 5/26/2017 9:27:07 AM

प्र. क्या आपके विद्यालय के नामांकन बढ़ाने में वी. ई. सी. सदस्य मददगार साबित होते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 61 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि विद्यालय में नामांकन बढ़ाने में वी. ई. सी. सदस्य उनकी मदद करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 80 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य नामांकन बढ़ाने में उनकी कोई मदद नहीं करते हैं।

प्र. शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में क्या वी. ई. सी. सदस्य मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 66 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि शासन से आने वाली योजनाओं को प्रशासित करने में वी. ई. सी. सदस्य मददगार साबित होते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 70 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य उनकी कोई मदद नहीं करते हैं।

प्र. शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में क्या शिक्षा अधिकारी मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 58 प्रतिशत अध्यापक तथा श्रेणी D विद्यालयों के 60 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में शिक्षा अधिकारी उनकी मदद करते हैं।

प्र. क्या बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने में महिला वी. ई. सी. सदस्य तथा अन्य वी. ई. सी. सदस्य सहायता प्रदान करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 59 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने में महिला व अन्य वी. ई. सी. सदस्य उनकी सहायता करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 64 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि उनकी कोई मदद नहीं करते हैं।

प्र. क्या माह बैठक में आप सभी (अध्यापक, वी.ई.सी. सदस्य) विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करके सामूहिक हल निकालते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 65 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि बैठक में हम सभी (वी. ई. सी. सदस्य, अध्यापक) विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हैं और सामूहिक हल निकाल लेते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 82 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं वी. ई. सी. सदस्यों के साथ न ही कोई समस्याओं पर चर्चा होती है और न ही कोई हल निकलता है।

प्र. क्या शिक्षा अधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आप लोगों से परामर्श लेते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 59 प्रतिशत अध्यापक व श्रेणी D विद्यालयों के 60 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि शिक्षा अधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए उनसे परामर्श करते हैं।

प्र. विभिन्न उत्सवों (26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर आदि) में क्या आप सभी की मिली-जुली भागीदारी रहती है?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 62 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि विभिन्न उत्सवों (26 जनवरी,

15 अगस्त, 2 अक्तूबर आदि) में वी. ई. सी. सदस्यों की मिली-जुली भागीदारी रहती है तथा श्रेणी D विद्यालयों के 64 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि उनकी उत्सवों में कोई भागीदारी नहीं रहती है।

प्र. क्या व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण में आप लोगों को एक-दूसरे का सहयोग प्राप्त होता है?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 54 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण में वी. ई. सी. सदस्य हमारा और हम वी. ई. सी. सदस्यों का परस्पर सहयोग करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 84 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य हमें कोई सहयोग नहीं देते।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में गिरावट को रोकने में वी. ई. सी. सदस्य क्या आपकी मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 59 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि प्राथमिक शिक्षा में गिरावट को रोकने में वी. ई. सी. सदस्य उनकी मदद करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 82 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य उनकी कोई मदद नहीं करते हैं।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में अवरोध न आए इसके लिए क्या आप सभी मिल कर प्रयास करते हैं।

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 56 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि प्राथमिक शिक्षा में अवरोध न आए इसके लिए वी. ई. सी. सदस्य उनके साथ प्रयास करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के) 90 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य अवरोध को रोकने में कोई प्रयास नहीं करते हैं।

प्र. क्या आप सभी मिलकर समाज के सभी वर्गों (एस.सी, एस.टी, ओ.बी.सी, सामान्य) के बच्चों के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्तरों को उठाने का प्रयास करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 58 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य हमारे साथ मिलकर समाज के सभी वर्गों के बच्चों का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्तर उठाने का प्रयास करते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 92 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य ऐसा कोई प्रयास नहीं करते हैं।

प्र. विशिष्ट तथा विकलांग बालकों को विद्यालय भेजने में क्या वी. ई. सी. सदस्य सक्रिय भूमिका निभाते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 58 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि विशिष्ट तथा विकलांग बच्चों को विद्यालय भेजने में वी. ई. सी. सदस्य सक्रिय भूमिका निभाते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 84 प्रतिशत अध्यापक यह कहते हैं कि वी. ई. सी. सदस्य ऐसा नहीं करते।

प्र. स्कूल के भवन तथा अन्य शैक्षिक सामग्रियों की सुरक्षा में वी. ई. सी. सदस्य क्या पूर्ण सहभागिता देते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 65 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि स्कूलों के भवन तथा अन्य

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 84 5/26/2017 9:27:07 AM

शैक्षिक सामग्रियों की सुरक्षा में वी. ई. सी. सदस्यों की पूर्ण सहभागिता होती है, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 82 प्रतिशत अध्यापक इसमें अपनी असहमति जताते हैं।

प्र. क्या आप सभी मिलकर बच्चों के माता-पिता को उनकी सफ़ाई तथा समय पर स्कूल भेजने के लिए अभिप्रेरित करते रहते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 61 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं वी. ई. सी. सदस्य बच्चों के माता-पिता को उनकी सफ़ाई तथा समय पर स्कूल भेजने के लिए उनके साथ मिल कर अभिप्रेरित करते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 88 प्रतिशत अध्यापक ऐसा स्वीकार नहीं करते हैं।

प्र. क्या शिक्षा अधिकारी विद्यालय के पर्यवेक्षण के समय वी. ई. सी. के सदस्यों से संपर्क कर विद्यालय की समस्याओं एवं विद्यालय के विकास पर विचार-विमर्श करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 34 प्रतिशत अध्यापक तथा श्रेणी D विद्यालयों के 30 प्रतिशत अध्यापक यह मानते हैं कि विद्यालय के पर्यवेक्षण के समय शिक्षा अधिकारी विद्यालयों की समस्याओं एवं विद्यालय के विकास पर विचार-विमर्श करते हैं।

साक्षात्कार (वी. ई. सी. सदस्यों का)

प्र. क्या माह बैठक में आप सभी (वी. ई. सी. सदस्य, अध्यापक) विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करके सामूहिक हल निकालते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 65 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि माह बैठक में हम सभी (अध्यापक एवं वी. ई. सी. सदस्य) मिलकर विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करके हल निकालते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 61 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह स्वीकार करते हैं कि अध्यापक उनकी कोई मदद नहीं करते हैं।

प्र. क्या विभिन्न उत्सवों (26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर) में आप सभी की मिली-जुली भागीदारी रहती है?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि विभिन्न उत्सवों (26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर) को हम सभी अध्यापकों के साथ मिल-जुल कर मनाते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 69 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह कहते हैं कि उनकी उत्सवों में कोई भागीदारी नहीं रहती।

प्र. क्या व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण में आप लोगों को एक-दूसरे का सहयोग प्राप्त होता है?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 65 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह स्वीकार करते हैं कि व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण में अध्यापक हमारा और हम अध्यापकों का परस्पर सहयोग करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 67 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में अवरोध ना आए, इसके लिए क्या आप सभी लोग मिल कर प्रयास करते हैं?

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 85 5/26/2017 9:27:07 AM

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि प्राथमिक शिक्षा में अवरोध ना आए, इसके लिए अध्यापक उनके साथ प्रयास करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 70 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह कहते हैं कि अध्यापक अवरोध को रोकने का कोई प्रयास नहीं करते।

प्र. क्या आप सभी मिलकर समाज के सभी वर्गों (एस. सी., एस.टी., ओ.बी.सी., सामान्य) के बच्चों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्तरों को उठाने का प्रयास करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 61 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि अध्यापक हमारे साथ मिलकर समाज के सभी वर्गों के बच्चों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्तरों को उठाने का प्रयास करते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालय के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या आप सभी मिलकर बच्चों के माता-पिता को उनकी सफ़ाई तथा समय पर स्कूल भेजने के लिए अभिप्रेरित करते रहते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 59 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि अध्यापक बच्चों के माता-पिता को उनकी सफ़ाई तथा समय पर स्कूल भेजने के लिए उनके साथ मिलकर अभिप्रेरित करते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालय के 68 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में अध्यापक आपकी मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 63 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में अध्यापकों का विशेष योगदान होता है। जबकि श्रेणी D विद्यालय के 61 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में शिक्षा अधिकारी आपकी मदद करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 61 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में शिक्षा अधिकारी उनकी मदद करते हैं। जबकि श्रेणी D विद्यालय के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इस बात से सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या अध्यापक विभिन्न कार्यों/कार्यक्रमों के लिए आपसे परामर्श लेते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 59 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि अध्यापक विभिन्न कार्यों/कार्यक्रमों के लिए उनसे परामर्श करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 71 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इस कथन से सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या प्राथमिक शिक्षा में गिरावट रोकने में अध्यापक आपकी मदद करते हैं?

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 86 5/26/2017 9:27:07 AM

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 63 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि अध्यापकों की मदद से प्राथमिक शिक्षा में गिरावट को रोकने का प्रयास करते हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 62 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. विद्यालय में नामांकन बढ़ाने में अध्यापक क्या आपके मददगार साबित होते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि विद्यालय में बच्चों का नामांकन बढ़ाने में हमारा और अध्यापकों का सम्मिलित प्रयास होता है, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 61 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इससे सहमत नहीं हैं।

प्र. बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने में महिला अध्यापिकाएँ क्या आपको सहायता प्रदान करती हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 64 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने में महिला अध्यापिकाएँ हमारी सहायता करती हैं, जबकि श्रेणी D विद्यालयों के 69 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य इसको नहीं मानते हैं।

प्र. क्या शिक्षा अधिकारियों व अध्यापकों में तालमेल और सामंजस्य दिखाई देता है?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 46 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य तथा श्रेणी D विद्यालयों के 47 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि अध्यापकों और शिक्षा अधिकारियों में तालमेल और सामंजस्य स्पष्ट दिखाई देता है।

प्र. क्या शिक्षा अधिकारी विद्यालय में पर्यवेक्षण के समय अध्यापकों से विद्यालय संबंधी विभिन्न समस्याओं तथा विद्यालय के विकास पर विचार-विमर्श करते हैं?

उ. श्रेणी A विद्यालयों के 50 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य तथा श्रेणी D विद्यालयों के 54 प्रतिशत वी. ई. सी. सदस्य यह मानते हैं कि शिक्षा अधिकारी विद्यालय के पर्यवेक्षण के समय अध्यापकों के साथ मिलकर विद्यालय के विकास व उससे संबंधित समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

साक्षात्कार (शिक्षा अधिकारी)

प्र. क्या माह बैठक में आप सभी (अध्यापकों और वी.ई.सी. सदस्यों के साथ) विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करके सामूहिक हल निकालते हैं?

उ. 80 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये सभी शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि वे समस्याओं पर चर्चा करके सामूहिक हल निकालने का प्रयास करते हैं, जबकि 20 प्रतिशत शिक्षा अधिकारियों के अनुसार सभी समस्याओं पर न तो चर्चा संभव है और न ही सभी समस्याओं का समाधान ही संभव है।

प्र. क्या विभिन्न उत्सवों में (26 जनवरी, 15 अगस्त आदि) आप सभी की मिली-जुली भागीदारी रहती है?

उ. 70 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। वे सभी शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि वे अध्यापकों तथा वी.ई.सी. सदस्यों के साथ विभिन्न उत्सवों

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 87 5/26/2017 9:27:07 AM

को मिल-जुल कर मानते हैं, जबकि 30 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत नहीं हैं।

प्र. क्या व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण में आप लोगों को अध्यापकों और वी.ई.सी. सदस्यों का सहयोग प्राप्त होता है?

उ. 70 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत नहीं हैं। यह सभी शिक्षा अधिकारी मानते हैं कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं में अध्यापक और वी.ई.सी. सदस्य उनकी कोई मदद नहीं करते। जबकि 30 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि अध्यापकों व वी.ई.सी. सदस्यों का सहयोग उन्हें प्राप्त होता है।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में अवरोध न आए, इसके लिए क्या आप सभी (शिक्षा अधिकारी अध्यापक, वी.ई.सी. सदस्य) मिलकर प्रयास करते हैं?

उ. 80 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। यह सभी शिक्षा अधिकारी मानते हैं कि हम सभी मिलकर प्राथमिक शिक्षा में अवरोधन न आए इसका प्रयास करते हैं। जबकि 20 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र आप सभी मिलकर समाज के विभिन्न वर्गों के बच्चों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्तरों को उठाने का प्रयास करते हैं?

उ. 80 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। वे मानते हैं कि सभी वर्गों के बच्चों के विभिन्न स्तरों को उठाने का हम सभी (अध्यापक, वी.ई.सी. सदस्य, शिक्षा अधिकारी) मिलकर प्रयास करते हैं, जबकि 20 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. आप सभी मिल कर (शिक्षा अधिकारी, वी.ई.सी. सदस्य व अध्यापक) बच्चों के माता-पिता को बच्चों की सफ़ाई तथा समय पर स्कूल भेजने के लिए अभिप्रेरित करते रहते हैं?

उ. 60 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये सभी शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि हम सभी (अध्यापक, वी.ई.सी. सदस्य, शिक्षा अधिकारी) बच्चों के माता-पिता को अभिप्रेरित करते रहते हैं कि वे बच्चों की सफ़ाई पर ध्यान दें व उन्हें समय पर स्कूल भेजें, जबकि 40 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. क्या शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में अध्यापक आप की मदद करते हैं?

उ. 90 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में अध्यापक उनकी मदद करते हैं, जबकि 10 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. क्या शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में वी.ई.सी. सदस्य आपकी मदद करते हैं?

उ. 50 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि विभिन्न योजनाओं को प्रशासित करने में वी.ई.सी. सदस्य उनकी मदद करते हैं। जबकि 50 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. क्या अध्यापक विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आपसे परामर्श लेते हैं?

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 88 5/26/2017 9:27:07 AM

उ. 90 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि विभिन्न कार्यक्रमों के लिए अध्यापक उनसे परामर्श लेते रहते हैं, जबकि 10 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में गिरावट न आए इसके लिए क्या अध्यापक आपकी मदद करते हैं?

उ. 60 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि प्राथमिक शिक्षा में गिरावट न आए इसके लिए अध्यापक उनका सहयोग करते हैं, जबकि 40 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. प्राथमिक शिक्षा में गिरावट न आए, इसके लिए क्या वी.ई.सी. सदस्य आपकी मदद करते हैं?

उ. 60 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी असहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि प्राथमिक शिक्षा में गिरावट को रोकने में वी.ई.सी. सदस्य इनकी मदद नहीं करते। जबकि 40 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि वी.ई.सी. सदस्य उनकी मदद करते हैं।

प्र. क्या अध्यापकों और वी.ई.सी. सदस्यों के बीच में सामंजस्य दिखाई देता है?

उ. 60 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि अध्यापक और वी.ई.सी. सदस्यों के बीच में सामंजस्य है। जबकि 40 प्रतिशत शिक्षा अधिकारियों को वी.ई.सी. सदस्यों व अध्यापकों में सामंजस्य नहीं दिखाई देता है।

प्र. प्राथमिक विद्यालय में आने वाली समस्याओं को सुलझाने में क्या अध्यापकगण आपकी मदद करते हैं?

उ. 80 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में अध्यापकों का सहयोग प्राप्त करते हैं। जबकि 20 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

प्र. प्राथमिक विद्यालय में आने वाली समस्याओं को सुलझाने में क्या वी.ई.सी. सदस्य आपकी मदद करते हैं?

उ. 40 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी सहमत हैं। ये शिक्षा अधिकारी यह मानते हैं कि शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में वी.ई.सी. सदस्य उनका सहयोग करते हैं। जबकि 60 प्रतिशत शिक्षा अधिकारी इससे असहमत हैं।

निष्कर्ष

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, अध्यापकों तथा शिक्षाधिकारियों का एक दूसरे के साथ सामंजस्य की स्थिति का विश्लेषण कर निम्न निष्कर्ष निकाला गया है। इस परीक्षण से यह निष्कर्ष निकलता है कि श्रेणी D विद्यालयों की अपेक्षा श्रेणी A विद्यालयों के अध्यापकों और ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों के बीच सामंजस्य उच्च श्रेणी का है क्योंकि वे विद्यालय में आने वाली मूलभूत समस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं तथा उसके निपटारे के लिए आपस में मिल-जुल कर कार्य करने की संस्कृति के पोषक हैं। विद्यालय में नामांकन बढ़ाने में अध्यापक व वी.ई.सी. सदस्य एक-दूसरे के मददगार साबित होते है।

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 89 5/26/2017 9:27:08 AM

शासन से आने वाली विभिन्न योजनाओं को मिलकर प्रशासित करते हैं। बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने में महिला वी. ई. सी. सदस्य व अध्यापक समान रूप से प्रयास करते हैं तथा माह बैठक में समस्याओं पर चर्चा करके सामूहिक हल निकालते हैं। वर्ष में आने वाले विभिन्न उत्सवों को वे मिल-जुल कर मनाते हैं साथ ही व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण करने में एक-दूसरे की सहायता करते हैं, शिक्षा में गिरावट न आए इसके लिए प्रयासरत रहते हैं तथा अवरोध को भी रोकने का प्रयास मिलकर करते हैं। सभी वर्गों के बच्चों के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्तरों को उठाने का सामूहिक प्रयास करते हैं, विकलांग बालकों पर विशेष ध्यान रखते हैं, स्कूल के भवन तथा शैक्षिक सामग्रियों की सुरक्षा एवं रख-रखाव में पूर्ण सहभागी रहते हैं तथा अभिभावकों को प्रेरित करते रहते हैं, जबकि प्राथमिक शिक्षा से संबंधित शिक्षा अधिकारी श्रेणी A तथा श्रेणी D विद्यालयों के अध्यापकों तथा वी. ई. सी. सदस्यों के साथ समान व्यवहार रखते हैं, इस कारण उनमें आपस में सामंजस्य दिखाई पड़ता है।

अतः स्पष्ट होता है कि शिक्षा अधिकारियों का सभी अध्यापकों व वी. ई. सी. सदस्यों के साथ सामंजस्य, विद्यालय के विकास में उतना महत्वपूर्ण नहीं होता जितना कि अध्यापकों और वी. ई. सी. सदस्यों के बीच, अंततः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्राथमिक विद्यालय के विकास में अध्यापकों और वी. ई. सी. सदस्यों के बीच सामंजस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वी. ई. सी. सदस्यों हेतु सुझाव

1. 5 से 14 आयु वर्ग के शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें।
2. पाठशाला के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी सहयोग प्रदान करें।
3. ग्राम के शैक्षिक वातावरण के विकास के लिए संसाधन जुटाएँ।
4. शिक्षकों तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करें।
5. सरकार की विभिन्न योजनाओं को प्रसारित करने में अध्यापकों व शिक्षा अधिकारियों का सहयोग करें।
6. ग्राम के विकास के लिए विभिन्न शैक्षिक तथा अन्य संबंधित संस्थाओं से समन्वय करें।
7. ग्राम में शिक्षा के विकास के लिए शासन द्वारा जारी विभिन्न आदेशों का पालन सुनिश्चित करें।
8. पाठशाला भवनों का निर्माण तथा रख-रखाव सुनिश्चित करें।
9. विद्यालयी क्रियाकलापों में अभिवृद्धि हेतु अध्यापकों से कुशल सामंजस्य स्थापित करें।
10. पाठशाला शिक्षा कोष की अभिवृद्धि के लिए प्रयास व उसका उचित उपयोग करें।
11. बच्चों को पढ़ाने की सामग्री उपलब्ध कराएँ।
12. विद्यालय और उसके आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखने का प्रयास करें।

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 90 5/26/2017 9:27:08 AM

13. विद्यालय भवन, खेल के मैदान, शौचालयों के रख-रखाव में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।
14. प्रत्येक माह बैठक में उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।
15. अपने दायित्वों को अच्छी तरह समझें और उनका यथोचित निर्वहन करें।

अध्यापकों हेतु सुझाव

1. शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की मानसिक दशा, एवं स्थानीय परिस्थितियों का ध्यान रखें।
2. छात्रों की रुचि, अभिप्रेरणा, तथा कठिनाई निवारण का विशेष ध्यान रखें तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रुचिकर तथा क्रिया आधारित बनाने का प्रयास करें।
3. विभिन्न शिक्षण सहायक-सामग्री का उपयोग करें।
4. प्राथमिक विद्यालय में कम-से-कम माह में दो बैठकों का आयोजन सुनिश्चित करें।
5. कमज़ोर तथा धीमी गति से सीखने वाले बच्चो पर विशेष ध्यान दें।
6. विकलांग व समाज के कमज़ोर वर्ग के छात्रों विशेषतः बालिकाओं के नामांकन, ठहराव, तथा गुणात्मक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें।
7. ग्राम शिक्षा समिति के सदस्य तथा शिक्षा अधिकारी से सामंजस्य स्थापित करें।
8. विद्यालयी अभिलेखों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करें।

शिक्षा अधिकारी हेतु सुझाव

1. अपने दायित्व से पूर्णतः परिचित हों तथा उसका निर्वहन करें।
2. श्रेणी A विद्यालयों की अपेक्षा, श्रेणी D विद्यालयों पर विशेष ध्यान दें।
3. श्रेणी A के विद्यालयों में सुधार हेतु अध्यापकों की स्थानांतरण नीति में यथोचित परिवर्तन करें तथा उसे प्रभावशाली ढंग से लागू करें।
4. ज़िला तथा ब्लॉक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण की नियमित मॉनीटरिंग करें।
5. विद्यालय में उपस्थित अभिलेखों का समय-समय पर निरीक्षण करें।
6. वी. ई. सी. सदस्यों में जागरूकता लाने हेतु विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करें।
7. वी. ई. सी. सदस्यों का प्रशिक्षण अनिवार्य करें।
8. वी. ई. सी. सदस्यों को सक्रिय बनाने के लिए क्षेत्रीय विधायक, सांसद तथा विद्वतजनों के साथ गोष्ठी का आयोजन समय-समय पर कराएँ।
9. प्रशिक्षण तथा मॉनीटरिंग को एक नियमित प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाए।

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 91 5/26/2017 9:27:08 AM

संदर्भ

अग्रवाल, ए. 1999. 'जनसहभागिता और नई पंचायत राज व्यवस्था.' *अमर उजाला,* लखनऊ, अगस्त.

अग्रवाल, जे.सी.ए. 2003. *भारत में प्राथमिक शिक्षा.* विद्या विहार, नयी दिल्ली.

अरोड़ा के. और एच. दासगुप्ता. 1977. *प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का राष्ट्रीय सर्वेक्षण.* एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली.

आत्माराम. 2001. *भारत में प्राइमरी शिक्षा.* जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली.

ओझा, एस. एन. 1999. 'क्रॉनिकल विकेंद्रीकरण की ओर बढ़ा कदम.' नयी दिल्ली. सितम्बर 1999.

जैन, यू. ए. 1961. *पंचायती राज एक्ट नियम व मैनुअल*, छठा संस्करण. गाज़ियाबाद.

पटेल, बी. 1971. 'प्राथमिक शिक्षा के प्रशासन पर पंचायती राज के प्रभाव का अध्ययन.' बुच, एम.बी., *सर्वे ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन*, प्रथम संस्करण. नयी दिल्ली.

पाण्डेय व शर्मा. 1976. 'पंचायत राज व्यवस्था के तहत प्राथमिक विद्यालयों के प्रबंधन का अध्ययन.' बुच, एम. बी., *सर्वे ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन,* तृतीय संस्करण. 1976. नयी दिल्ली.

भार्गव. 1990. 'प्राथमिक स्तर में शैक्षिक सुविधाओं एवं नामांकन के विकास का अध्ययन.'

भारत सरकार. 1986. 'ए नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन.' मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, नयी दिल्ली.

शर्मा, आर.सी. 1985. 'राजस्थान की प्राथमिक शिक्षा में अपव्यय की स्थिति का अध्ययन.' शोध.

Prathmik Shikshak Oct- Jan 2016.indd 92 5/26/2017 9:27:08 AM